



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 31]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 23, 1993/कार्तिक 1, 1915

No. 31]

NEW DELHI, SATURDAY, 23, OCTOBER 1993/KARTIKA 1, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii) PART II—Section 3—Sub-section (iii)

(संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1993

आ.अ. 115.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13-क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निर्वाचन आयोग पंजाब सरकार के परामर्श से स्व. श्री रजिन्दर सिंह, आई. ए.एस. के स्थान पर श्री सुरजीत सिंह, आई. ए.एस. सचिव, पंजाब सरकार, प्रशासनिक सुधार विभाग को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से और आगामी आदेशों तक पंजाब राज्य के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में नामित करता है।

2. श्री सुरजीत सिंह, आई. ए.एस. ऐसे पदभार ग्रहण करने से पूर्व पंजाब सरकार के अधीन सभी पदभार या किसी कार्य के पदभारों को धारण करना समाप्त कर देंगे या तत्काल सौंप देंगे। किसी अपवाद की अनुमति नहीं दी जायेगी।

3. श्री सुरजीत सिंह, आई. ए.एस. को मुख्य अधिकारी पंजाब के रूप में कार्य करते हुए पंजाब सरकार के अधीन कोई भी अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति नहीं दी जायेगी, अलावा इसके कि उन्हें राज्य सचिवालय में निर्वाचन आयोग के अधीन विभाग के सरकारी प्रभारी के सचिव के रूप में पदाभिहित किया जाए।

4. यदि श्री सुरजीत सिंह, आई. ए.एस. को आयोग की लिखित पूर्वानुमति लिए बिना कोई अतिरिक्त कार्यभार सौंपा या ग्रहण करवाया जाये तो वे आदेश के अनुसार ऐसा अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब के पदभार से हटा दिए गए समझे जायेंगे और अलग से कोई आदेश जारी करने की आवश्यकता नहीं होगी या है। उसके पश्चात् मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में उनकी ड्यूटी और कार्य के तथाकथित निर्वहन में उनके द्वारा की गई सभी या कोई भी कार्रवाई अप्राधिकृत, और नास्ति और शून्य होगी और उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए वे स्वयं उत्तरदायी होंगे।

[सं. 154/पंजाब/93]

आदेश से,

के.पी.जी. कुट्टी, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 29th September, 1993

O.N. 115.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Government of Punjab hereby nominates Shri Surjit Singh, IAS, Secretary to Government of Punjab, Department of Administrative Reforms as the Chief Election Officer for the State of Punjab with effect from the date he takes over charge and until further orders vice late Shri Rajinder Singh, IAS.

2. Shri Surjit Singh, IAS shall cease to hold and hand over forthwith the charge of all or any charges of work under the Government of Punjab which he may be holding before such assumption of office. No exceptions will be permitted.

3. Shri Surjit Singh, IAS while functioning as the Chief Electoral Officer, Punjab shall not be ordered to hold any additional charge whatsoever under the Government of Punjab except that he should be designated Secretary to the Government incharge of Department under the Election Commission in the State Secretariat as decided by the State Government.

4. If Shri Surjit Singh, IAS is entrusted with or is made hold any additional charge of any kind whatsoever, without the prior written approval of the Commission, he shall stand removed automatically from the office of the Chief Electoral Officer, Punjab from the date of assumption of such additional charge as per this order and no separate orders will, or need to, issue. All and any action taken by him thereafter in the so called discharge of his duties and functions as the Chief Electoral Officer shall be unauthorised and non-est and full and void and he shall render himself liable to disciplinary action.

[No. 154/PB/93]

By Order,

K. P. G. KUTTY, Secy.